आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 22.06.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- आगामी 11 जुलाई से शुरू होगी कांवड़ यात्रा, 'नभ नेत्र' ड्रोन के जरिए हरिद्वार में भीड़भाड़ वाले स्थानों, सड़कों, घाटों और पुलों पर नजर रखी जाएगी।
- राज्य सरकार और विभिन्न देशों के राजदूतों व उच्चायुक्तों के बीच उत्तराखंड में निवेश, आयुष, पर्यटन और संस्कृति से जुड़े विषयों पर रणनीतिक बैठक आयोजित की गई।
- प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में 47 लाख 77 हजार मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।
- चम्पावत जिले के दूरस्थ पाटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जिले का चौथा मॉडल डिलीवरी केंद्र शुरू।

'नभ नेत्र' ड्रोन

आगामी 11 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए 'नभ नेत्र' ड्रोन हरिद्वार में तैनात रहेगा। इस ड्रोन की सहायता से भीड़भाड़ वाले स्थानों, सड़कों, घाटों और पुलों पर नजर रखी जा सकेगी तथा राज्य और जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से ड्रोन के विजुअल्स की लगातार निगरानी की जाएगी। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रशासन, आनंद स्वरूप ने बताया कि यात्रा के दौरान किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आईआरएस प्रणाली अपनाई जाएगी और इसके अनुरूप सभी जिलों को योजना बनाने को कहा गया है। एक रिपोर्ट–

बैठक के दौरान कांवड़ यात्रा की सुचारू व्यवस्था के लिए सभी विभागों से समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। इसके तहत हर विभाग को एक संपर्क अधिकारी नामित करने और उसकी जानकारी आपात परिचालन केंद्रों से साझा करने को कहा गया है। हरिद्वार में जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को मास्टर कंट्रोल रूम बनाया जाएगा।

वहीं, 30 जून को राज्य स्तरीय बाढ़ मॉक ड्रिल के दौरान कांवड़ यात्रा और गंगा घाटों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी विशेष समीक्षा की जाएगी।
कांवड़ियों को मोबाइल में सचेत एप में डाउनलोड करने के लिये प्रेरित किया जाएगा, जिससे उन्हें मौसम और अलर्ट की जानकारी मिल सके। इसके लिए एंट्री प्वाइंट्स पर होर्डिंग और बार कोड लगाए जाएंगे। साथ ही टोल फ्री नंबर 112, 1070 और 1077 की जानकारी भी दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त कांवड़ियों की सुरक्षा के लिये गंगा घाटों पर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस और 60 आपदा मित्र तैनात रहेंगे। विशेषकर कांगड़ा घाट में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। हरिद्वार में एनडीआरएफ की एक टीम तैनात रहेगी और जरूरत पड़ने पर देहरादून से अतिरिक्त टीम भेजी जाएगी।
यात्रा के दौरान भगदड़, डूबने की घटनाएं, बारिश, बाढ़, आगजनी, संक्रामक बीमारियां, जाम और दुर्घटनाओं जैसी संभावित घटनाओं से निपटने के लिए भी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

चर्चा

उत्तराखंड सरकार और विभिन्न देशों के राजदूतों व उच्चायुक्तों के बीच निवेश, आयुष, पर्यटन और संस्कृति से जुड़े विषयों पर हरिद्वार में रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मैक्सिको, फिजी, नेपाल, सूरीनाम, मंगोलिया, लातविया, श्रीलंका और रूस के राजनयिकों सहित प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सचिव सचिन कुर्वे ने विदेशी प्रतिनिधियों को राज्य की पर्यटन संभावनाओं और बुनियादी ढांचे की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में देहरादून, पंतनगर और पिथौरागढ़ में हवाई अड्डे, आठ हेलीपोर्ट और 46 हजार किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क है। मसूरी, यमुनोत्री और पूर्णागिरि में रोपवे विकसित किए जा रहे हैं। टिहरी झील को जल और हवाई खेलों का केंद्र बनाया जा रहा है और जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट का पुनर्विकास किया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि केदारनाथ और बद्रीनाथ प्लास्टिक–विनियमित क्षेत्र हैं और राज्य में बायो–डाइजेस्टर शौचालयों का विकास हुआ है। बीते तीन वर्षों में 5 हजार 500 से अधिक लोगों को आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित किया गया है। ट्रैकिंग, बंजी जंपिंग, स्कीइंग, राफ्टिंग, मछली पकड़ना, सवारी और खगोल पर्यटन जैसी साहसिक गतिविधियां राज्य को रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा गंतव्य बनाती हैं।
निदेशक उद्योग जीएम चंदोला ने विदेशी मेहमानों को राज्य की उद्योग नीतियों और निवेश को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की जानकारी दी।
बैठक में विभिन्न देशों के राजनयिकों ने उत्तराखंड की पर्यटन, निवेश और आयुष क्षेत्र की संभावनाओं में रुचि दिखाई।

राज्य स्तरीय संगोष्ठी

उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र– यूसैक सभागार में "विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों का लाभ : हिमालयीय राज्यों के दृष्टांत" विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी आगामी जुलाई में प्रस्तावित अंतरिक्ष सम्मेलन कार्यशाला की तैयारी के तहत की गई, जिसमें राज्य के विभिन्न विभागों के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी का उद्देश्य राज्य के सभी रेखीय विभागों द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से किए जा रहे कार्यों का दस्तावेज तैयार करना था, जिसे अगस्त में होने वाली राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत किया जाएगा। यू–सैक के निदेशक ने बताया कि सभी विभागों को आठ थीमों – कृषि, पर्यावरण एवं ऊर्जा, जल संसाधन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, बुनियादी ढांचा विकास, विकास योजना और संचार तथा नेविगेशन, में बांटकर उनसे जानकारी जुटाई जाएगी।

संगोष्ठी में राज्य के 21 विभागों के 40 अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिनमें वन, सिंचाई, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जैवविविधता बोर्ड, लोक निर्माण, ग्राम्य विकास और अन्य विभागों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

हरिद्वार को छोड़कर राज्य के अन्य बारह जिलों में में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। मतदान दो चरणों में होगा। पहले चरण में 10 जुलाई और दूसरे में 15 जुलाई को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 19 जुलाई को होगी। नामांकन 25 से 28 जून तक होंगे, जांच 29 जून से 1 जुलाई तक और नाम वापसी 2 जुलाई को होगी।

चुनाव के चलते हरिद्वार को छोड़ राज्य के सभी जिलों में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। निर्वाचन व्यय की निगरानी के लिए अधिकारी तैनात होंगे और शराब, नकदी या अन्य प्रलोभनों पर सख्ती से कार्रवाई होगी। कुल 95 हजार 909 कार्मिक चुनाव ड्यूटी में लगाए जाएंगे, जिनमें 35 हजार 700 सुरक्षा कर्मी होंगे। इस बार कुल 66 हजार 418 पदों पर चुनाव होंगे, जिनमें ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत सदस्य शामिल हैं। 47 लाख 77 हजार मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह संख्या 2019 के मुकाबले दस दशमलव पांच–सात प्रतिशत अधिक है।

उम्मीदवारों के लिए व्यय सीमा भी तय की गई है। ग्राम पंचायत सदस्य के लिये दस हजार रुपए, प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए पचहत्तर हजार और जिला पंचायत सदस्य के लिये दो लाख रुपए की व्यय सीमा का निर्धारण किया गया है।

मॉडल प्रसव केंद्र स्थापना

चम्पावत जिले के दूरस्थ पाटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जिले का चौथा मॉडल डिलीवरी केंद्र शुरू हो गया है। इस केंद्र का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी. एस. खाती ने किया। स्वास्थ्य विभाग और मित्रा टेक्नोलॉजी के सहयोग से स्थापित इस केंद्र से अब ग्रामीण और दूरदराज की गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए किसी और स्थान पर नहीं जाना पड़ेगा। यहां 24 घंटे प्रसव सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने बताया कि पाटी पीएचसी में बड़ी आबादी वाले क्षेत्र की महिलाओं को डिलीवरी सुविधा का लाभ मिलेगा। पहले संसाधनों की कमी के कारण अधिकतर मामलों में लोहाघाट या चम्पावत रेफर करना पड़ता था, लेकिन अब केंद्र में उपकरण और व्यवस्थाएं अपग्रेड कर इसे मॉडल केंद्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि यहां डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर––

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास की ख़बरों को लगभग सभी समाचार पत्रों ने सचित्र प्रकाशित किया है। अमर उजाला ने प्रधानमंत्री के हवाले से लिखा है– अशांति के दौर में योग दिखा रहा शांति का मार्ग। वहीं, हिंदुस्तान समाचार पत्र योग दिवस की ख़बर पर मुख्यमंत्री के हवाले से शीर्षक देते हुए लिखता है– उत्तराखंड में पांच नए योग हब बनेंगे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से जुड़ी ख़बर भी सभी समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। दैनिक जागरण का शीर्षक है– उत्तराखंड में पंचायतों के लिये दस व पन्द्रह जुलाई को डाले जांएगे वोट, राज्य निर्वाचन आयेाग ने जारी की अधिसूचना, दोनों चरणों के नामांकन एक साथ।

उत्तराखंड के नौ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, हिंदुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक है। समाचार पत्र लिखता है– प्रदेश के अधिकांश भागों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून पहुंच गया है।